aglasem.com

FOR MP CPCT EXAM PREPARATION

MP CPCT 2017 Question Paper · Hindi Typing

EXAM	YEAR	TYPE	SUBJECT	DATE
MP CPCT	2017	Question Paper	Hindi Typing	19 Nov 2017

SHIFT
Shift 2

cpct

Notations :

1. Options shown in green color and with ✔ icon are correct.
2. Options shown in red color and with ✖ icon are incorrect.

Question Paper Name:	Remington Gail 19th Nov 2017 Shift 2
Subject Name:	Remington GAIL
Creation Date:	2017-11-14 19:10:57
Duration:	25
Calculator:	None
Magnifying Glass Required?:	No
Ruler Required?:	No
Eraser Required?:	No
Scratch Pad Required?:	No
Rough Sketch/Notepad Required?:	No
Protractor Required?:	No

Mock

Group Number :	1
Group Id :	20620517
Group Maximum Duration :	10
Group Minimum Duration :	10
Revisit allowed for view? :	No
Revisit allowed for edit? :	No
Break time:	1
Mandatory Break time:	Yes
Group Marks:	0

Hindi Typing Test

Section Id :	20620517
Section Number :	1
Section type :	Typing Test
Mandatory or Optional:	Mandatory
Number of Questions:	1
Number of Questions to be attempted:	1
Section Marks:	0
Display Number Panel:	Yes
Group All Questions:	No

Sub-Section Number:	1
Sub-Section Id:	20620517
Question Shuffling Allowed :	No

Question Number : 1 Question Id : 20620517 Question Type : TYPING TEST Display Question Number : Yes

बहुत समय पहले की बात है हिमालय के जंगलो में एक बहुत ताकतवर शेर रहता था एक दिन उसने बारासिंघे का शिकार किया और खाने के बाद अपनी गुफा को लौटने लगा अभी उसने चलना शुरू ही किया था कि एक सियार उसके सामने दंडवत करता हुआ उसके गुणगान करने लगा।

Restricted/ Unrestricted: Unrestricted
Paragraph Display: Yes
Evaluation Mode: Non Standard
Keyboard Layout: Remington
Show Details Panel: Yes
Show Error Count: Yes
Highlight Correct or Incorrect Words: Yes
Allow Back Space: Yes
Show Back Space Count: Yes

Actual

Group Number :	2
Group Id :	20620518
Group Maximum Duration :	15
Group Minimum Duration :	15
Revisit allowed for view? :	No
Revisit allowed for edit? :	No
Break time:	0
Group Marks:	0

Hindi Typing Test

Section Id :	20620518
Section Number :	1
Section type :	Typing Test
Mandatory or Optional:	Mandatory
Number of Questions:	1
Number of Questions to be attempted:	1
Section Marks:	0
Display Number Panel:	Yes
Group All Questions:	No

Sub-Section Number:	1
Sub-Section Id:	20620518
Question Shuffling Allowed :	No

Question Number : 2 Question Id : 20620518 Question Type : TYPING TEST Display Question Number : Yes

वसन्त, ग्रीष्म, वर्षा, हेमन्त, और शिशिर (ठंड) ये भारत के 5 मौसमों के नाम है, हम में से कई लोगों ने शायद ये सारे नाम नहीं सुने होंगे। खैर इसमें कोई ताज्जुब होने वाली बात नहीं है क्योंकि जैसे चल रहा है अगर वैसा ही चलता रहा तो हमारे आने वाली जनन इनका नाम तो सुनना बहुत दूर की बात है, शायद इन मौसमों का आनंद भी नहीं ले पाएंगी। वसन्त - इस मौसम को हम, अब मौसम में आए बदलाव से नहीं, बल्कि कैलेंडर की डेट देख कर पता लगा पाते है। क्योंकि इस मौसम की पहचान प्रदूषण की वजह से शायद धुंधली हो चुकी है। ग्रीष्म - इसे आम के मौसम के रूप में जाना जाता था, लेकिन अब ये मौसम खतरनाक गर्मी और जानलेवा सूरज की किरणों के लिए जाना जाता है। वर्षा - इस मौसम की जगह तो अब जल प्रलय ने ले ली है जो हर साल अपने माथे पर हजारों मौतो का कलंक ले लेती है। अब बरसात के दिन सुनाने नहीं होते, ट्रैफिक जाम, भूस्खलन, पथ पर पानी लग जाना इन चीजों के लिए बरसात को जाना जाने लगा है। हेमन्त - इस मौसम का नाम तो शायद ही हमने सुना होगा, क्योंकि हमने शायद इस मौसम को देखा ही नहीं। खैर आपकी जानकारी के लिए बता दें की दिसंबर से 15 जनवरी तक ये मौसम होता है। शिशिर (ठंड) - हम में से कई लोगों को ये मौसम बहुत प्यारा लगता है मगर बीते कुछ सालों में ये मौसम भी हमे निराश कर रहा है। ना तो ढंग से ठंड हो रही है और ना ही गर्मी। सुबह-सुबह घर से हम गर्म कपडे पहन के तो चलते है मगर दोपहर तक पसीने से भर जाते है और फिर शाम में जोरदार ठंड में हम कांप उठते हैं। हम भले ही मौसम पर हमसे धोखा करने का आयोजन कर दे मगर असल में तो ये है कि, इसके जिम्मेदार हम खुद है। जिसने हजारों सालों से बेतहाशा प्रकृति से बेरहमी कि, प्रकृतिक सुविधाओं का गलत इस्तेमाल किया और जब प्रकृति हमें आईना दिखाने लगी तो हम इसे ही दोष देने लगे। प्रकृति ने इससे पहले भी कई बार अपना विकराल रूप दिखा कर हमें चेतावनी दी है मगर शायद हम अब भी अपनी आदत से सुधरते नहीं आते दिख रहें है। हाल की बात करें तो उत्तरांचल त्रासदी इसका सबसे विशाल उदाहरण है जहां गैर कानूनी तरीके से अनगिनत निर्माण किए गए और जब प्रकृति ने अपना वीकराल रूप दिखाया तो पूरा का पूरा भूगोल वहां से साफ हो गया। मौजूदा स्थिति को देख कर लगता है की शायद हम उसी विस्फोट की ओर तेजी से आगे जा रहे है जहां से हमारी शुरूआत हुई थी और शायद हमारा अंत भी वहीं होगा।

Restricted/ Unrestricted: Unrestricted
Paragraph Display: Yes
Evaluation Mode: Non Standard
Keyboard Layout: Remington
Show Details Panel: Yes
Show Error Count: Yes
Highlight Correct or Incorrect Words: Yes
Allow Back Space: Yes
Show Back Space Count: Yes